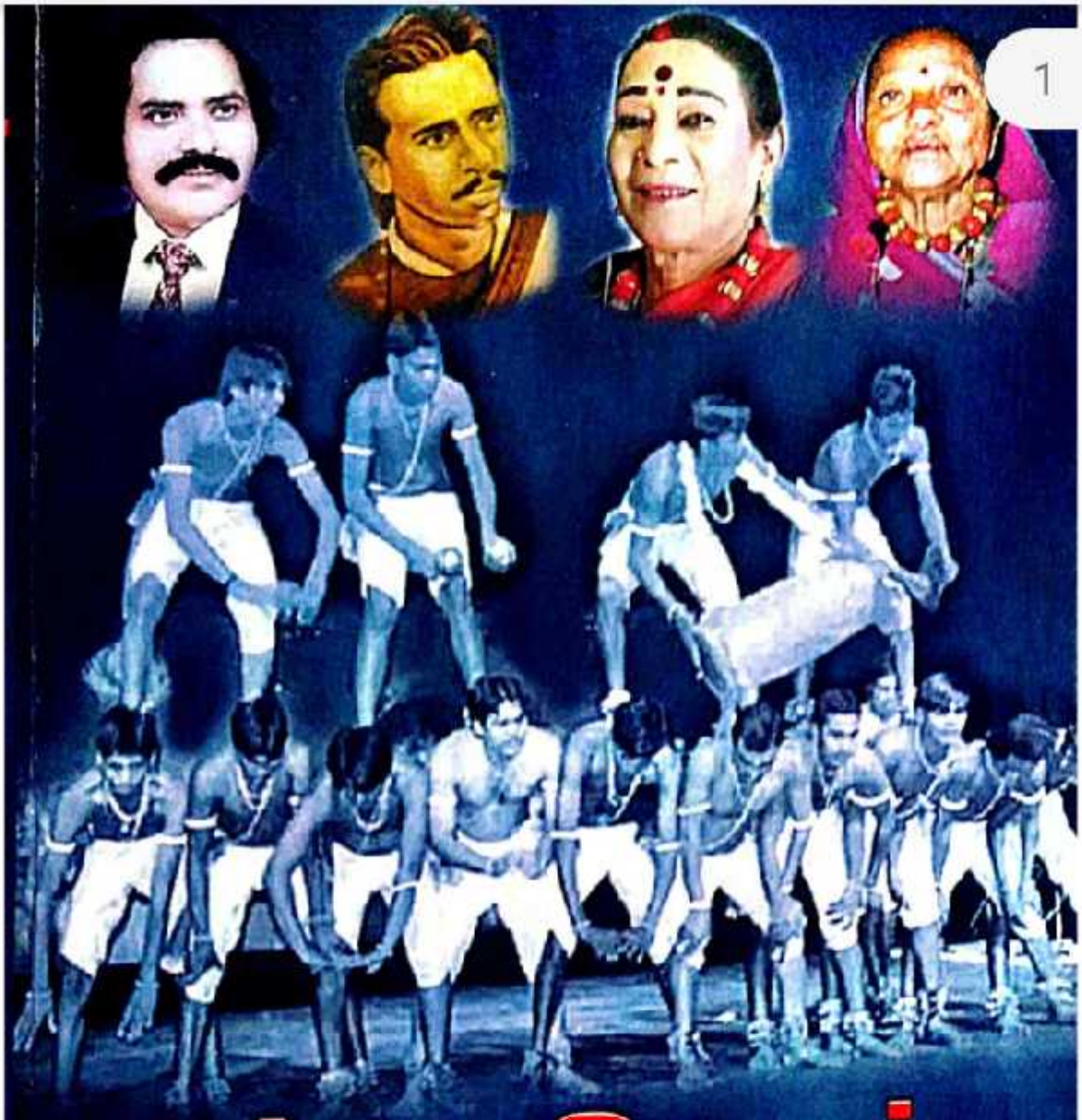

लोक साहित्य एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य

सम्पादक : डॉ. रमेश टण्डन

एम. ए. हिन्दी–

लोक साहित्य एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य

(चतुर्थ सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न–पत्र)

[छत्तीसगढ़ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के अन्तर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में संचालित एम. ए. हिन्दी तृतीय सेमेस्टर चतुर्थ प्रश्न–पत्र (लोक साहित्य एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य) के नवीनतम सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित एवं अन्य विश्वविद्यालयों के लिए भी एम. ए. हिन्दी की पाठ्य–पुस्तक]

संपादक

डॉ. रमेश टण्डन

(एम. ए.– हिन्दी, अंग्रेजी; पी–एच. डी., सीजी सेट)

विभागाध्यक्ष – हिन्दी

महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय

खरसिया, जिला– रायगढ़ (छ.ग.)

उप–संपादक

प्रो. संध्या पाण्डेय, एम. ए. (हिन्दी)

प्रो. बाल किशोर भगत, एम. ए. (हिन्दी, समाज शास्त्र), बी. एड., स्टेनो

प्रो. वंदना रानी खाखा, एम. ए. (हिन्दी), नेट, सेट,

प्रो. गोवर्धन सूर्यवंशी, एम. ए. (हिन्दी, राजनीति शास्त्र), बी. एड., नेट, सेट

प्रो. माग्रेट कुजूर, एम. ए. (हिन्दी), नेट, सेट

सर्वप्रिय प्रकाशन

कश्मीरी गेट, दिल्ली

लोक साहित्य एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य

डॉ. रमेश टण्डन

ISBN- 978-93-89989-86-1

●

प्रकाशक

सर्वप्रिय प्रकाशन

प्रथम मंजिल, चर्च रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली

मो. 9425358748

e-mail : sahityavaibhav@gmail.com

www.vaibhavprakashan.com

●

आवरण सज्जा : कन्हैया साहू

प्रथम संस्करण : सितम्बर २०२०

मूल्य : ३०० रुपये

कॉपी राइट : लेखकाधीन

LOK SAHITYA EVAM CHHATTISGARHI SAHITYA

BY : DR. RAMESH TANDAN

Published by

Sarvapriya Prakashan

First Floor, Church Road, Kashmiri Gate, Delhi

First Edition : September 2020

Price : Rs. 300.00

(प्रस्तुत पुस्तक के विभिन्न अध्यायों में लिखित पाठ्य सामग्री उसके लेखक/संकलनकर्त्ता के द्वारा एम ए हिन्दी में अध्ययनरत छात्रों के हित के लिए विभिन्न किताबों अथवा नेट से संकलित की गई है। अपने पाठ की पूर्णता के लिए इस पुस्तक के अध्याय लेखकों के द्वारा मूल किताबों अथवा परवर्ती संदर्भ/शोध ग्रंथों अथवा नेट से उद्धरण अथवा उदाहरण लिए गए हैं, अतः उन मूल किताबों अथवा परवर्ती संदर्भ/शोध ग्रंथों अथवा नेट के क्रमशः लेखकों अथवा संपादकों/शोध छात्रों अथवा अपलोडर्स का सर्वश्रेष्ठ आभार जिनकी पाठ्य सामग्री को यहाँ उद्धृत किया जा सका है। मौलिक तथ्यों/परिभाषा आदि में फेरबदल के लिए इस पुस्तक के संपादक अथवा प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होंगे अपितु अध्याय लेखक स्वयं जिम्मेदार होंगे तथा किसी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र खरसिया (छ.ग.) होगा।)

अनुक्रम

क्र.	अध्याय	लेखक	पृष्ठ क्र.
1.	लोक साहित्य– लक्षण, परिभाषा, क्षेत्र	– डॉ0 श्रीमती धनेश्वरी दुबे	13
2.	लोक और लोक–वार्ता, लोक–वार्ता और लोक–विज्ञान	– प्रो0 चरणदास बर्मन	25
3.	लोक संस्कृति अवधारणा, लोक–वार्ता और लोक–संस्कृति	– प्रो0 श्रीमती माग्रेट कुजूर	43
4.	लोक–संस्कृति और साहित्य, लोक साहित्य अवधारणा	– प्रो0 चरणदास बर्मन	56
5.	लोक गीत, लोक नाट्य, लोक–कथा	– प्रो0 श्रीमती संध्या पाण्डेय	76
6.	लोक–गाथा, लोक–नृत्य, लोक संगीत	– प्रो0 श्रीमती संध्या पाण्डेय	90
7.	छत्तीसगढ़ साहित्य का इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ	– श्रीमती पुष्पांजलि दासे	98
8.	छत्तीसगढ़ी उपन्यास का उद्भव और विकास	– प्रो0 चरणदास बर्मन	112
9.	छत्तीसगढ़ी नाटक का उद्भव और विकास	– प्रो0 गोवर्धन सूर्यवंशी	138
10.	छत्तीसगढ़ी एकांकी का उद्भव और विकास	– प्रो0 गोवर्धन सूर्यवंशी	145
11.	छत्तीसगढ़ी निबन्ध का उद्भव और विकास	– प्रो0 गोवर्धन सूर्यवंशी	152

12. छत्तीसगढ़ी कहानी का उद्भव और विकास
— प्रो० रमेश खैरवार 157

13. छत्तीसगढ़ी महाकाव्य का उद्भव और विकास
— प्रो० वंदना रानी खाखा 163

14. सुन्दरलाल शर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
— प्रो० बाल किशोर भगत 180

15. दानलीला (सुन्दरलाल शर्मा) की व्याख्या
— प्रो० एस कुमार गौर 191

16. दानलीला (सुन्दरलाल शर्मा) की समीक्षा
— श्री मनीष कुमार कुर्रे 211

———000———